राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

दीप पर्व पर राज्यपाल की बधाई और शुभकामनाएं

जयपुर, 12 नवम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने दीप पर्व दीपावली की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने दीप पर्व–धन्नतेरस, रूपचौदस, लक्ष्मीपूजा–दीपावली, गोवर्धनपूजा, अन्नकूट उत्सव तथा भाई–दूज की मंगलकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों के समृद्ध, संपन्न और खुशहाल जीवन की कामना की है।

पटाखों से दूरी बनाने की अपील– राज्यपाल श्री मिश्र ने कोविड के इस विकट समय में आम जन को पटाखों से दूरी बनाए रखने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरा विश्व, देश और हमारा प्रदेश कोरोना महामारी के विकट दौर से गुजर रहा है। हजारों लोग इस महामारी से काल के ग्रास बन गए और लाखों संक्रमित हुए हैं। संकट अभी भी टला नहीं है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है कि वे पटाखों से परहेज करें। उन्होंने कहा कि इनसे जो प्रदूषण होता है, वह कोरोना के इस दौर में जीवन के लिए भारी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

राज्यपाल ने अंधकार पर उजाले की जीत के पावन पर्व दीपोत्सव पर घर–घर रोशनी का उजास बिखरने का आह्वान किया है।

———

राज्यपाल ने मिठाई बांटी

जयपुर, 12 नवम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र और राज्य की प्रथम महिला श्रीमती सत्यवती मिश्र ने गुरूवार को यहां राजभवन में अधिकारियों व कर्मचारियों को दीप पर्व के अवसर पर मिठाई एवं उपहार वितरित किए। इस मौके पर राज्यपाल के विशेषाधिकारी श्री गोविन्द राम जायसवाल सहित राजभवन के अधिकारीगण मौजूद थे।

राज्यपाल की संवेदना

जयपुर, 12 नवम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने देश के ख्यातिनाम मूर्तिकार, पदमश्री श्री अर्जुन प्रजापति के आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि स्व. श्री प्रजापति ने राजस्थान की कला–संस्कृति को अपनी मूर्तिकला में गहरे से जिया है। उन्होंने स्व. प्रजापति की बणीठणी, देश के महापुरूषों और प्रेरणा देने वाले व्यक्तित्वों की कलाकृतियां की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मूर्तिकला जीवंत शिल्प का अप्रतिम उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि स्व. प्रजापति का मूर्तिशिल्प भारतीय कला को महती देन है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि स्व. प्रजापति का असमय बिछोह व्यक्तिशः उनके लिए अत्यन्त वेदनाकारी हैं। राजस्थान के कला जगत के लिए उनका असामयिक निधन अपूरणीय क्षति है।

राज्यपाल ने ईश्वर से स्व. प्रजापति की आत्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिजनों को यह भारी दुःख सहने करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

———